संसद का बजट सत्र: एक विश्लेषण

संसद का बजट सत्र सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं के लिए उल्लेखनीय था। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को पारित करने के लिए मध्यरात्रि के बाद भी सत्र चलते रहे, जिसमें वक्फ संपत्ति प्रबंधन पर मतभेदों को दर्शाते हुए वार्ताएं की गईं, लेकिन उन्हें सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

दोनों सदनों के अध्यक्ष उत्पादक सत्र से प्रसन्न थे, और शासक भाजपा को उसके सहयोगी दल मजबूती से समर्थन दे रहे थे, खासकर वक्फ कानून संशोधन पर। संसद ने मध्यरात्रि के बाद की बहसों के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को भी मंजूरी दी, जबकि विपक्ष एकजुट रहा और चुनिंदा मुद्दों पर दूसरे पक्ष को भी अपने साथ लाया।

by OJAANK IAS

संसदीय कार्यवाही: अच्छा

विस्तारित सत्र

संसद के सत्र मध्यरात्रि तक चले ताकि वक्फ विधेयक सहित महत्वपूर्ण विधायन पारित किया जा सके

सौहार्दपूर्ण वातावरण

मतभेदों के बावजूद, बहस एक सामान्य सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई

मजबूत गठबंधन

सत्तारूढ़ भाजपा को विशेष रूप से वक़्फ़ कानून संशोधन के संबंध में अपने सहयोगियों का दृढ़ समर्थन प्राप्त था

विपक्ष की आवाज

विपक्ष अपनी बात रखने के लिए उत्साहित था और अपने घटकों के बीच एकता बनाए रखी

संसदीय कार्यवाही: खराब

समिति तनाव

व्यापार सलाहकार समिति की बैठकों में तीखे आदान-प्रदान देखे गए, जिसमें राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ एक बैठक से बाहर चले गए

नेतृत्व विवाद

कांग्रेस और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने के अवसर देने को लेकर अनसुलझा मतभेद

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण

इस सत्र ने राजनीतिक और सांप्रदायिक विभाजन को और गहरा कर दिया, बजाय इसके कि द्विपक्षीय सहयोग के लिए सामान्य आधार का विस्तार किया जाए

वक़्फ़ बिल: पार्टी की स्थिति

समर्थक पार्टियां

भाजपा और उसके सहयोगी दल जैसे जद(यू) और टीडीपी ने बिल का समर्थन किया

दूरी बनाने वाली पार्टियां

वाईएसआरसीपी, एआईएडीएमके और बीजद ने कुछ मुद्दों पर भाजपा से दूरी बनाने की इच्छा दिखाई

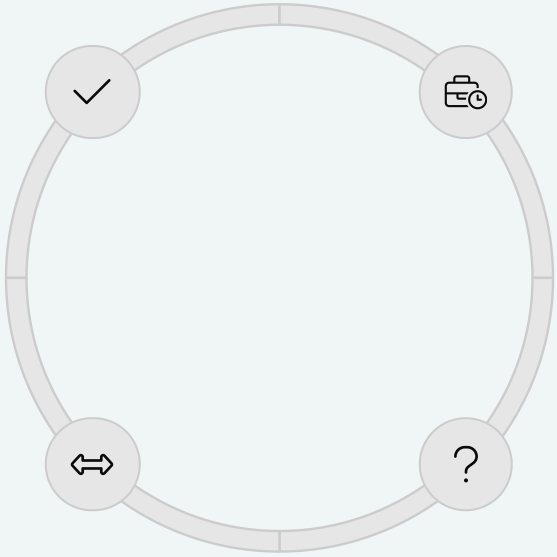

विरोधी पार्टियां

एआईएडीएमके ने बिल का विरोध किया, भाजपा के एजेंडे को लेकर आरक्षण व्यक्त किए

विभाजित निर्णय

बीजद ने व्हिप जारी नहीं किया, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता नवीन पटनायक ने बिल का स्पष्ट विरोध किया

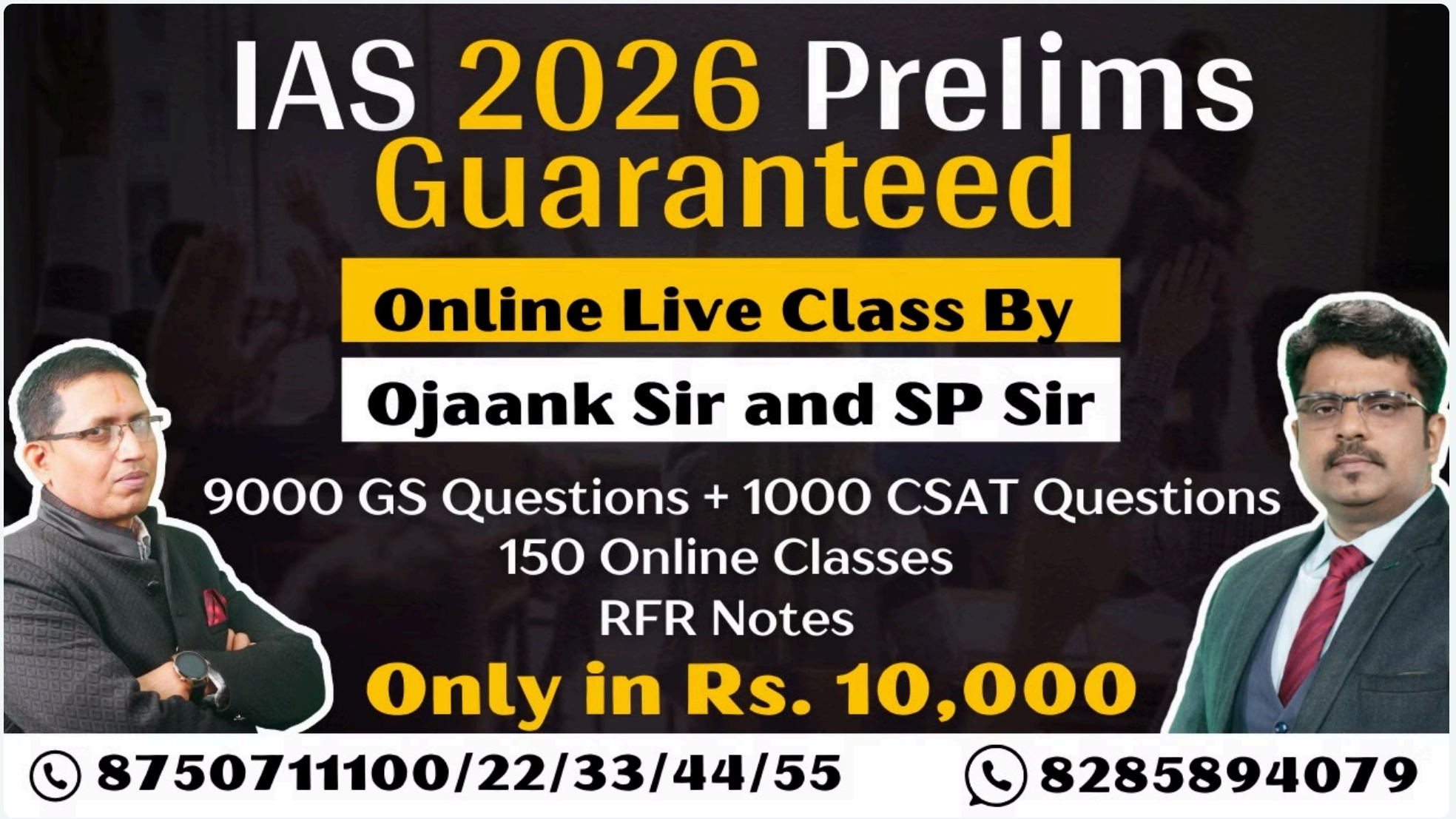

IAS 2026 Prelims की तैयारी अब होगी Guaranteed के साथ! 🔥📚
Ojaank Sir और SP Sir की Online Live Classes में मिलेगा Top Level Guidance✅

💡 **9000 GS Questions**
💡 **1000 CSAT Questions**
💡 **150 Online Live Classes**
💡 **RFR Notes**

💥 **ये सब कुछ सिर्फ ₹10,000 में! सपना नहीं अब रियलिटी बनेगा IAS बनना! 🚀**

Download Ojaank App Now Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Course Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518

📢 **Limited Seats | पहले आओ पहले पाओ**

Ojaank IAS में Admission लेने लिए दिए गए link पर Click करके Form भरें - https://docs.google.com/forms/d/1PzN1wR9JewyqDUCQY4kP60HuoefjYTVnmIL69PIRmxc/edit

अधिक जानकारी के लिए तुरंत Call करें :- 8750711100/22/33/44/55

👉🏻 **Ojaank Sir के साथ सीधा Whatsapp से जुड़ें : 8285894079**

बहुसंख्यकवाद की चिंताएं

समुदाय का बहिष्कार

वक्फ़ विधेयक पर मुस्लिम समुदाय को विश्वास में नहीं लेने से बहुसंख्यकवाद का प्रदर्शन होता है

मतदान पैटर्न

उच्च सदन में नामित सदस्य को छोड़कर, कोई भी मुस्लिम सांसद ने वक्फ़ संशोधनों का समर्थन नहीं किया

प्रतिनिधित्व की कमी

शासक गठबंधन में संसद में मुस्लिम समुदाय का कोई भी निर्वाचित सदस्य नहीं है

लोकतांत्रिक चिंताएं

इस सत्र में प्रतिनिधित्व और विधायी प्रक्रियाओं में समावेश के मुद्दे उभरकर आए

क्षेत्रीय पार्टी गतिशीलता

गठबंधन मजबूती

जेडी(यू) और टीडीपी ने प्रमुख मतदानों के दौरान अपने प्रमुख सहयोगी भाजपा का आलिंगन किया

आंतरिक विभाजन

बीजद ने वक़्फ़ बिल पर पार्टी रुख को लेकर आंतरिक मतभेदों का सामना किया

3

रणनीतिक दूरी

एआईएडीएमके ने अपने अल्पसंख्यक मतदाता आधार की रक्षा के लिए भाजपा से दूरी बनाए रखी

शक्ति संतुलन

क्षेत्रीय पार्टियों ने अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए सावधानीपूर्वक अपने रुख को संतुलित किया

विधायी परिणाम

वक़्फ़ विधेयक पारित

वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक 2025 विस्तृत बहस के बाद पारित हुआ

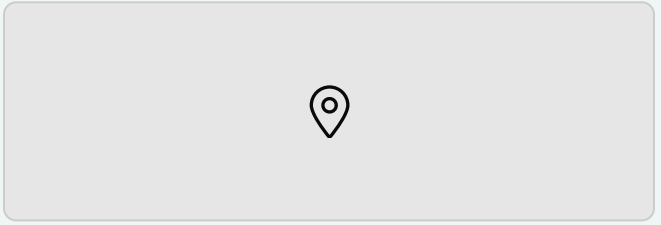

मणिपुर स्थिति

मध्यरात्रि बहस के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को मंजूरी दी गई

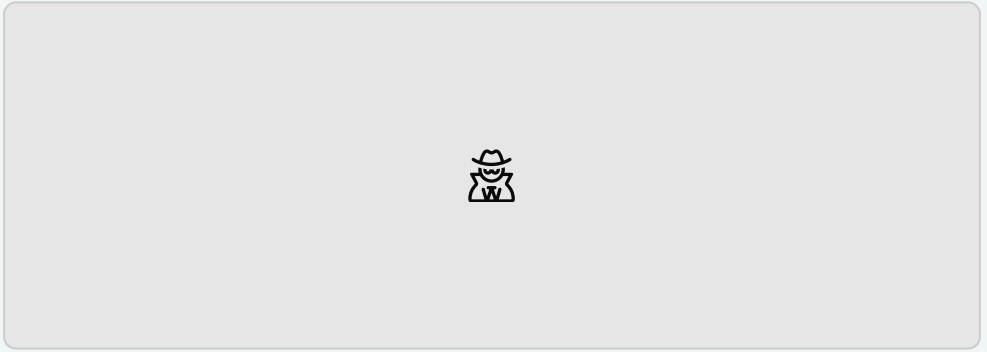

राजनीतिक स्थिति

भाजपा ने अपने राजनीतिक मतदाता वर्ग को ध्यान में रखते हुए अपने विधायी एजेंडे को सफलतापूर्वक संचालित किया

मध्यवर्ती मार्ग का अभाव

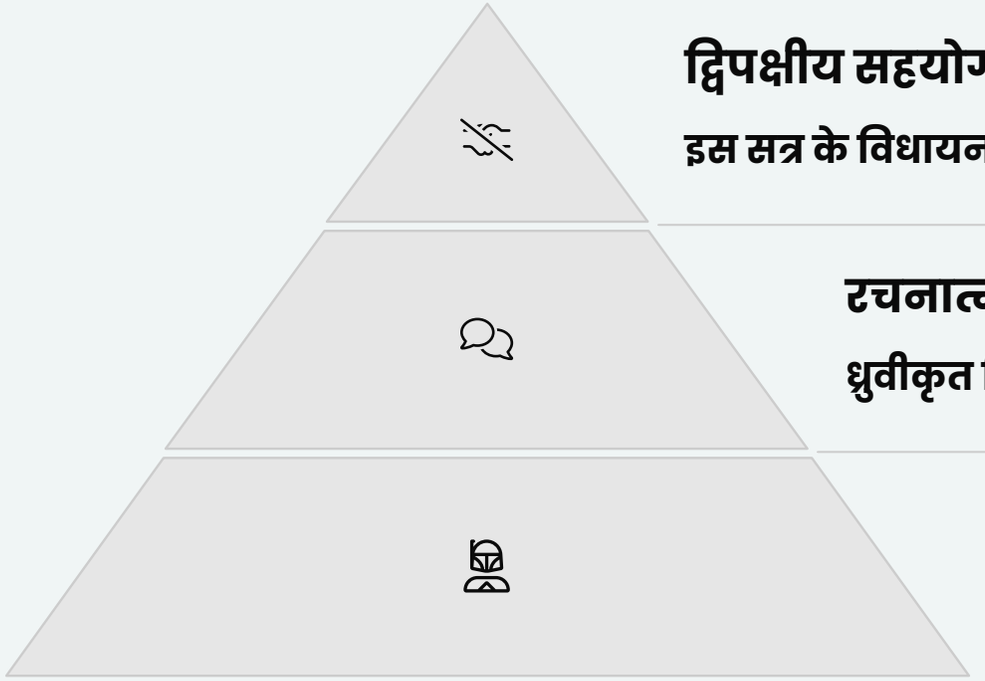

द्विपक्षीय सहयोग

इस सत्र के विधायन में अनुपस्थित

रचनात्मक संवाद

ध्रुवीकृत स्थितियों द्वारा सीमित

समावेशी प्रतिनिधित्व

अल्पसंख्यक समुदायों के लिए अनुपस्थित

कुशल परिणामों के बाहरी आवरण से परे, बजट सत्र ने सामूहिक आधार को विस्तारित करने के बजाय राजनीतिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को तेज कर दिया। आदर्श रूप से, संसदीय चर्चाओं को सहमति बनाने और मध्य मार्ग खोजने चाहिए, लेकिन यह सत्र इस मामले में विफल रहा।

किसी भी विधायन के लिए द्विपक्षीय समर्थन के अभाव भारतीय राजनीति में बढ़ते अंतर को उजागर करता है। जबकि प्रक्रियात्मक कुशलता प्राप्त की गई थी, लोकतांत्रिक वाद-विवाद का गहरा उद्देश्य - राजनीतिक विभाजनों पर स्वीकार्य समाधान खोजना - अपूर्ण रह गया।

👉 ऐसी ही UPSC Special Current News PDF के लिए Visit करें हमारी Official Website : www.ojaank.com

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link :
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine